उदयपुर वेटलैंड मान्यता प्राप्त शहरों में शामिल

चर्चा में क्यों?

[उदयपुर](), जिसे प्रायः '[झीलों का शहर]()' कहा जाता है, ने [रामसर वेटलैंड सिटी]() मान्यता प्राप्त की।

यह सम्मान **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC)** द्वारा आयोजित [स्वच्छ वायु सर्वेक्षण पुरस्कार]() तथा **वेटलैंड शहर मान्यता समारोह 2025** के दौरान प्रदान किया गया।

मुख्य बिंदु

आर्द्रभूमि संरक्षण में उदयपुर के प्रयास

- **परिचय:** उदयपुर शहर पाँच प्रमुख आर्द्रभूमियों- **पिछोला, फतेह सागर, रंग सागर, स्वरूप सागर और दूध तलाई** से घिरा हुआ है।
- ये आर्द्रभूमियाँ शहर की **संस्कृति** और **पहचान** का अभिन्न हिस्सा हैं, शहर की सूक्ष्म जलवायु को बनाए रखने में सहायक हैं तथा चरम **जलवायु घटनाओं** से सुरक्षा प्रदान करती हैं।
- **मान्यता:** उदयपुर को यह सम्मान उसके उत्कृष्ट आर्द्रभूमि संरक्षण प्रयासों के लिये मिला है, जिससे वह **विश्व के उन मुख्य शहरों में शामिल हो गया है**, जिन्हें आर्द्रभूमि संरक्षण और प्रबंधन के प्रति अपने व्यापक दृष्टिकोण के लिये मान्यता प्राप्त है।
    - उदयपुर के प्रयासों में **झील और आर्द्रभूमि संरक्षण में सक्रिय सामुदायिक भागीदारी** के साथ-साथ **शहरी नियोजन में आर्द्रभूमि प्रबंधन का सफल एकीकरण** भी शामिल है।

वेटलैंड सिटी प्रमाणन (WCA)

- **परिचय:**
    - WCA एक स्वैच्छिक मान्यता प्रणाली है, जिसे [रामसर कन्वेंशन]() द्वारा **कॉन्ट्रैक्टिंग पार्टियों (Conference of the Contracting Parties- COP) 12, 2015** के सम्मेलन के दौरान उन शहरों को मान्यता देने के लिये स्थापित किया गया था, जिन्होंने अपने शहरी आर्द्रभूमि की सुरक्षा हेतु असाधारण प्रयास किये हैं।
    - यह **पुरस्कार उन शहरी केंद्रों को दिया जाता है,** जो आर्द्रभूमि की सुरक्षा, जैवविविधता संरक्षण को बढ़ावा देने तथा स्थायी आजीविका को समर्थन देने में असाधारण प्रयास करते हैं।
    - इस योजना का उद्देश्य **शहरी और अर्द्ध-शहरी क्षेत्र के आर्द्रभूमि संरक्षण** तथा **इसके उपयोग को बढ़ावा** देना है, साथ ही स्थानीय आबादी के लिये स्थायी सामाजिक-आर्थिक लाभ अर्जित करना भी है।
    - **WCA 6 वर्षों के लिये मान्य होता है।**
- **महत्त्व:**
    - यह शहरों को अंतर्राष्ट्रीय महत्त्व के वेटलैंड्स जैसे मूल्यवान [पारिस्थितिकी तंत्र]() के साथ सकारात्मक संबंध विकसित करने के लिये प्रोत्साहित करता है।
    - इसका उ**द्देश्य प्राकृतिक या मानव निर्मित आर्द्रभूमि को महत्त्व देने वाले शहरों को अंतर्राष्ट्रीय मान्यता दिलाना है।**

रामसर अभिसमय (RAMSAR CONVENTION)

परिचयः

- इसे आर्द्रभूमियों पर अभिसमय के रूप में भी जाना जाता है।
- यह एक अंतर-सरकारी संधि है जिसे वर्ष **1971** में रामसर, ईरान में अपनाया गया।
- वर्ष **1975** में इसे लागू किया गया।
- ऐसी आर्द्रभूमियों को रामसर स्थल घोषित किया जाता है जो अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर महत्त्व रखती हों।
- **विश्व का सबसे बड़ा रामसर स्थलः** पैंटानल, दक्षिण अमेरिका।

मोंट्रेक्स रिकॉर्डः

- वर्ष **1990** में मोंट्रेक्स (स्विटजरलैंड) में इसे अपनाया गया।
- यह उन रामसर स्थलों की पहचान करता है जिनके संरक्षण हेतु राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्राथमिकता के साथ ध्यान देने की आवश्यकता है।

आर्द्रभूमियाँः

- आर्द्रभूमि एक ऐसा स्थान है जहाँ भूमि मौसमी अथवा स्थायी रूप से जल (खारा या मीठा/ताजा अथवा इन दोनों के बीच की स्थिति) से ढकी होती है।
- यह नदियों, दलदल, मैंग्रोव, कीचड़ युक्त भूमि, तालाबों, जलमग्न स्थान, बिलबोंग (नदी की वह शाखा जो आगे चलकर समाप्त हो गई हो), लैगून, झीलों और बाढ़ के मैदानों सहित विभिन्न रूपों में हो सकती है।
- **विश्व आर्द्रभूमि दिवसः 2** फरवरी

भारत और रामसर अभिसमयः

- भारत में रामसर अभिसमय वर्ष **1982** में लागू हुआ।
- **रामसर स्थलों की कुल संख्याः 75**
- चिल्का झील (ओडिशा), केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान (राजस्थान), हरिके झील (पंजाब), लोकटक झील (मणिपुर), वुलर झील (जम्मू और कश्मीर) आदि।
- **भारत में संबंधित फ्रेमवर्क**
  - आर्द्रभूमियों के संरक्षण तथा प्रबंधन हेतु पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, **1986** के प्रावधानों के तहत 'आद्रभूमि (संरक्षण और प्रबंधन) अधिनियम, **2017**' को अधिसूचित किया है।
  - ये नियम आर्द्रभूमियों के प्रबंधन को विकेंद्रीकृत करते हैं तथा राज्य आर्द्रभूमि प्राधिकरण या केंद्रशासित प्रदेश आर्द्रभूमि प्राधिकरण के गठन का प्रावधान करते हैं।

प्रमुख तथ्य

- **भारत में सबसे बड़ा रामसर स्थलः** सुंदरबन, पश्चिम बंगाल
- **भारत में सबसे छोटा रामसर स्थलः** वेम्बन्नूर आर्द्रभूमि कॉम्प्लेक्स, तमिलनाडु
- **सर्वाधिक रामसर स्थल वाला राज्यः** तमिलनाडु (14)
- **मोंट्रेक्स रिकॉर्ड में शामिल आर्द्रभूमियाँः**
  - केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान, राजस्थान
  - लोकटक झील, मणिपुर

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/udaipur-receives-ramsar-wetland-city-accreditation